

संसेक्ष 74,248.22 ▲ +20.59

डॉलर 83.319 ▼ -0.156

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

आज का अनुमान

अधिकतम	चूकति	(क्रूपन)
रांची	31.0	22.0
दृश्यमान	33.0	26.0
जमशेदपुर	39.0	24.0
पलमौ	33.0	23.0
गंगावार	30.0	30.0

रांची, चैत्र कृष्ण पक्ष 13, विक्रम संवत् 2080

रांची, रविवार, 07 अप्रैल 2024, वर्ष-25, अंक-66, पृष्ठ-12, मूल्य ₹3.00, रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155

www.rastrriyanaveenmail.com

संपादकीय

लोकतंत्र का उजास अंतिम व्यक्ति तक ... 08

रांची एवं डालतनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

भारत कुछ लोगों की संपत्ति नहीं, इस पर ... 12

देश-विदेश

ईश्वर ने हमारा विश्वास



सत्यनेव जयते



राष्ट्रीय नवीन मेल

रांची सराफा

सोना (10 ग्राम) 65,750

चांदी (1 किलो) 85,000

आज के मैच



समय : 07 अप्रैल, 3:30 बजे से

स्थान : मुंबई



समय : 07 अप्रैल, 7:30 बजे से

स्थान : लखनऊ

रमजान मुबारक



कैमरे में कैद तस्वीर



पलामू। पीटीआर कैमरे में एक बार पिर से 3 बांधों की तस्वीर कैद हुई है। पिछले दो महीने में यह चौथा मौका है जब बाघ की तस्वीर पीटीआर कैमरे में कैद हुई है। बाघ की तस्वीर कैद हुई है। बाघ की तस्वीर कैद हुई है।

एक नजर

पलामू में 1000 पेटी

विदेशी शराब जब्त

मेदिनीनगर। अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध आपामारी अभियान के तहत छारपुर थाना अंतर्गत ग्राम चौखारा सिलदार में पलामू और अरुणाचल प्रदेश में बिक्री के लिए रॉयल लूप्स, रॉयल स्पेशल और इंडीयरियल ब्लू नामक विदेशी शराब की लगभग 1000 पेटी जब्त की गई। इसकी कीमत ग्राम चौखारा सिलदार में पलामू में बहुत ज्यादा बढ़ा गया है। एक अरोपी मनोज यादव को गिरफ्तार किया गया है।

आजकल



चुटूपालू घाटी में बस-टैकर की टक्कर, 1 मौत, कई घायल

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ रामगढ़ के चुटूपालू घाटी में शनिवार को एक ट्रक ने भारी तबाही मचाई। रांची की तरफ से आ रहे उस ट्रक का घाटी में ब्रेक फेल हो गया। इसके बाद ट्रक के सामने जो भी गाड़ियां आईं उसके परखच्चे उड़ गए। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत की जानकारी है जबकि कई चारों गंभीर रूप से घायल हैं। इस मामले की पुछताके हुए प्रेस ट्रैकर ने बताया कि चुटूपालू घाटी में गड़के मोड़ के पास पहले से ही



एक ट्रक यूपी 14 एक्स 9117 दुर्घटनाप्रत हुई थी। उस ट्रक को सड़क से हटाने के लिए क्रेन लगाए

गए थे। इसी दैरान गंभीर की तरफ से आ रहे ट्रक यूपी 66 टी 7482 का ब्रेक फेल हुआ। वह ट्रक इतनी

बंगाल में ईडी के बाद अब एनआईए टीम पर हमला

गाड़ी पर पथराव, दो अधिकारी घायल

प्रेस ट्रैकर



दैरान ईडी की टीम पर तृप्तमूल नेता के समर्थकों ने हमला कर दिया था। एनआईए अधिकारियों को खाली गाड़ी पर पथराव कर दिया था। एनआईए ने अपनी पहले पर मामला की जांच के लिए जांच आदेश पर एनआईए ने घटना की

नगर ग्राम पंचायत के तैराविला गांव में रात को बैठ 11 बजे भीषण बम विस्फोट हुआ था। घटना में तृप्तमूल बृथ अध्यक्ष राजकुमार मना, उनके भाई देवकुमार मना और विश्वजीत गांव की मोत हो गयी। सुचारा मिलने पर पुलिस इलाके में गई। पुलिस ने अपनी पहले पर मामला की जांच के लिए जांच शुरू कर दी। बाद में कोर्ट के आदेश पर एनआईए ने घटना की

गुरुग्राम के अंतरराष्ट्रीय किडनी रैकेट का तार झारखंड से जुड़ा

फरार है रैकेट का सरगना मांडर का मुर्तजा अंसारी

हरियाणा पुलिस गिरफ्तारी के लिए कई जगहों पर दे रही दिविश

एक डोनर और किडनी लेने वाले दो लोग पुलिस गिरफ्त में

नवीन मेल संवाददाता

गुरुग्राम रांची। हरियाणा के एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय किडनी रैकेट का खुलासा हुआ है, जिसके तार गंभीर से कैद हुई है। गुरुग्राम में मुख्यमंत्री उड़नदस्ता और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विगत 4 अप्रैल को एक किडनी रैकेट का भूमिकाएँ किया है और मोके से तीन लोगों को हिरासात में रखा गया है। एनआईए के किडनी डोनर है, जबकि दो वे लोग हैं, जिनकी किडनी ट्रांसप्लांट की है। दो जिनकी डोनर पुलिस गिरफ्त में रखा गया है। दो लोगों को खुलासा मिला था कि जो गुरुग्राम स्वास्थ्य स्कॉर्पियों को सूचना मिली थी कि सेक्टर-39 के एक स्टेटर वाले दो किडनी प्रत्यारोपण रैकेट से जुड़े कुछ लोग ठहरे हुए हैं। इस पर स्वास्थ्य विभाग के डीपीएस डॉ मनोज राठो, सरनं डॉ गोपनीय प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों को खुलासा देते हुए हैं।

रैकेट का सरगना झारखंड के रांची निवासी को मोहम्मद मुर्तजा अंसारी नाम का व्यक्ति बताया जाता है। वह बाहर है और पुलिस उसकी तलाश में कई जगहों पर दिविश दे रहा है। माना जा रहा है कि यह गिरफ्तारी के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं।



मुर्तजा अंसारी का पैत्रिक आवास, ग्राम करगे (मांडर)

को किडनी का ट्रांसप्लांट करा चुका है। इधर, मांडर पुलिस को गुरुग्राम की पुलिस द्वारा अधिकारिक रूप से काई सूचना नहीं मिली है। गुरुग्राम स्वास्थ्य विभाग के डिपोर्टी सोसाएट डॉ पवन चांदी ने बताया है कि योगी प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों की तरफ से जुड़े हुए हैं। वे लोगों को खुलासा देते हुए एक ट्रेक्टर वाले दो किडनी प्रत्यारोपण रैकेट से जुड़े कुछ लोग ठहरे हुए हैं। इन पर स्वास्थ्य विभाग के डीपीएस डॉ मनोज राठो, सरनं डॉ गोपनीय प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं।

गोपनीय प्रसाद लूटांग को खुलासा देते हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं।

गोपनीय प्रसाद लूटांग को खुलासा देते हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं।

गोपनीय प्रसाद लूटांग को खुलासा देते हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं।

गोपनीय प्रसाद लूटांग को खुलासा देते हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं।

गोपनीय प्रसाद लूटांग को खुलासा देते हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं।

गोपनीय प्रसाद लूटांग को खुलासा देते हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं।

गोपनीय प्रसाद लूटांग को खुलासा देते हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं।

गोपनीय प्रसाद लूटांग को खुलासा देते हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं।

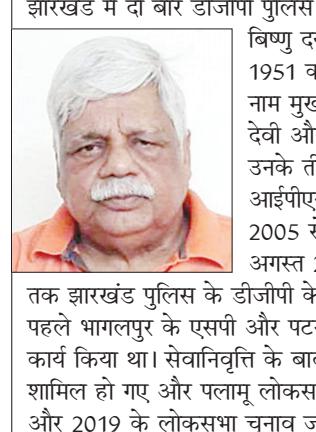
गोपनीय प्रसाद लूटांग को खुलासा देते हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी प्रसाद लूटांग स्वास्थ्य स्कॉर्पियों के लिए दो लोगों को खुलासा देते हुए हैं।

देश में पहली बार सांसद बना माओवादी का जोनल कमांडर

पूर्व
डीजीपी बीड़ी
राम ने 2014 में
दी करारी मात

उमेद गुप्ता। रांची
पलामू लोकसभा का इतिहास अजीब-गरीब दास्तान
समें हुई है। पहले यह क्षेत्र दो संसदीय क्षेत्रों में बंटा
था और दो संसद हुआ करते थे। इस सेट से
नक्कली कमांडर और राज्य के पुलिस महानिदेशक
भी चुनाव जीत कर संसद पहुंचे हैं। वर्तमान में पलामू

झारखण्ड में दो बार डीजीपी रह चुके हैं बीड़ी राम



झारखण्ड में दो बार डीजीपी पुलिस महानिदेशक के पद पर रह चुके
बिष्णु दयाल राम का जन्म 23 जुलाई 1951 को हुआ था। उनके पिता का
नाम मुख्य राम माता का नाम रामरती
देवी और पिता का नाम पुष्पा दयाल है।
उनके तीन बच्चों हैं। वे 1973 बैच के
आईपीएस अधिकारी हैं और 1 जुलाई 2005 से 27 सिंचंबर 2006 और 4
अगस्त 2007 से 13 जनवरी 2010 तक झारखण्ड पुलिस के डीजीपी के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने
पहले भागलगढ़ के एसपी और पटना के एसएसपी के रूप में
कार्य किया था। सेवानिवृत्ति के बाद वे भारतीय जनता पार्टी में
शामिल हो गए और पलामू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से 2014
और 2019 के लोकसभा चुनाव जीते।

दो संसदीय क्षेत्र का
हिस्सा रहा है पलामू

देश में 1951-52 में जब पहली बार लोकसभा के चुनाव हुआ था, उस पलामू संसदीय क्षेत्र का नाम पलामू सह हजारियां सह रांची थी। वहाँ तब यह दो संसदीय सीट थी। वहाँ से एक सीट पर कांग्रेस के गेंड्रे प्रसाद सिंह तो दूसरी सीट पर कांग्रेस के ही जेठन सिंह खरवार चुनाव जीते थे। 1957 में भी गेंड्रे प्रसाद सिंह ने वहाँ से जीत दर्ज की। 1962 में निर्दलीय प्रत्याशी शशांक मंजरी राम दुर्घानी गई। 1967 में जब पलामू एसपी सीट घोषित हुआ तब कमला कुमारी ने कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की, फिर 1971 में भी कांग्रेस की कमला कुमारी ने जीत दर्ज की। लिंकन 1977 में जनता पार्टी में रामधनी राम से हार गई।

झारखण्ड में पहली बार सांसद बना
माओवादी का जोनल कमांडर

लोकसभा दो जिलों पलामू और गढ़वा को मिलाकर बनाया गया है। इस क्षेत्र में पलामू, डालांगंज, गढ़वा, खवनसार, विश्रामपुर, तुरतपुर और हुसैनाबाद विधानसभा सीटों आती है। पलामू सीट पर कांग्रेस और भाजपा दोनों का दबबा रहा है, दोनों ने 6-6 बार इस सीट पर कब्जा जमाया है।

देश के पहले माओवादी सांसद बने कामेश्वर बैठा

भाजपा माओवादी के जोनल कमांडर कामेश्वर बैठा 28 वर्षों तक

माओवादी अंदोलन के जोनल कमांडर के जुड़े रहे थे। 2005 में कामेश्वर बैठा विहार के सासाराम से गिरफतार हुए थे और 2013 में वे जेल से बाहर निकले थे। इस दौरान वे 2006 में चुनाव लड़े, लेकिन 2019 में ज्ञामुमों के टिकट पर कामेश्वर बैठा ने जीत दर्ज हालांकि नक्सली सांसद बनने का अनोखा रिकार्ड बना दिया। कामेश्वर बैठा उस दौरान 48 मामले दर्ज थे, जिसमें कई गंभीर धाराओं में थे, साथ ही उनपर 50 हजार का ज्ञानी था। हालांकि अधिकतर रामलों में कामेश्वर बैठा को दोषी नहीं पाया गया है। 2013 में जेल से रिहा होने के बाद वे 2014 में चुनाव हार गए। कामेश्वर बैठा मूल रूप से पलामू के पांडु थाना क्षेत्र के ढांचाबार गांव के रहने वाले हैं।

भाजपा के बीड़ी राम ने जीत दर्ज की।

एक दशक तक भाजपा का रहा दबदबा

पलामू संसदीय क्षेत्र में भाजपा का रहा दबदबा 1991 में कमल खिला, तब लगातार चार चुनाव में भाजपा जीत दर्ज की। 1991 में भाजपा के गम देव राम सांसद चुने गए। तो 1996, 1998 और 1999 में भाजपा के ब्रजमेहन राम ने लगातार तीन बार जीत दर्ज कर हाँदू लगाई। फिर 2014 और 2019 में भाजपा के बीड़ी राम ने जीत दर्ज की।

रिश्वत लेने के आरोप में राजद सांसद की गई थी सदस्यता

2004 लोकसभा चुनाव में रांची जनता दल के मनोज कुमार ने जीत दर्ज की। लेकिन पैसे लेकर सांसद में सवाल करने के एक स्टिंग ऑफरेशन में फंस गए और उनकी सदस्यता चली गई, उसके बाद 2006 के उपचुनाव में राजद के धूरन राम ने जीत दर्ज की।

डीजीपी और माओवादी के बीच मुकाबला

2014 में पलामू लोकसभा सीट पर पुलिस और माओवादी का संघर्ष थी देखने को मिला। भाजपा के टिकट पर झारखण्ड के पूर्व पुलिस महानिदेशक बीड़ी राम पहली बार मैदान में उतरे थे, तो दूसरी तरफ निवासन सांसद कामेश्वर बैठा फिर से मैदान में थे, लेकिन इस बार उन्हें कांग्रेस की गंभीर धाराओं में था। खेरवार अपने-आपके सूर्यवंशी क्षत्रिय बताते हैं और अयोध्या को पूज्यनायी मानते हैं।

जब माओवादी कमांडर ने की जीत दर्ज

2009 में भाजपा माओवादी के जोनल कमांडर कामेश्वर बैठा ने ज्ञामुमों के टिकट पर पलामू लोकसभा सीट से जीत दर्ज कर देव राम में सनसनी कैला दो लोकसभा सांसद बना था। रहकर ही कामेश्वर बैठा ने जीत दर्ज की थी, पहली बार देव में कोई नवसली सांसद बना था, ऐसे में कामेश्वर बैठा पीड़िया में छाए रहे।

पलामू का सामाजिक ढांचा

2019 के अंकड़ों के मुताबिक इस सीट पर भवितव्य वर्षों की संख्या 12 लाख 09 हजार 747 थी। वहाँ कुल आवादी 28 लाख 34 हजार 681 है। पलामू में खेरवार, चोरे, उरांव, बिरिया और बिरहोर प्रमुख जनजातियां शामिल हैं। वहाँ के खेरवार अपने-आपके सूर्यवंशी क्षत्रिय बताते हैं और अयोध्या को पूज्यनायी मानते हैं।

प्रकाश से भाजपा के प्रदेश स्तर पर नेताओं और जिला अध्यक्ष स्तर पर नेताओं ने जीत की खुलासा की।

झारखण्ड हमने बनाया और हम ही रहेंगे : सुप्रियो भव्यचार्य

रांची ज्ञामुमो के महासचिव सह प्रवक्ता की घोषणा हो गई।

भव्यचार्य ने जिला प्रभारी, प्रवक्ता की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

उन्होंने कहा कि ज्ञामुमो के संवाददाता ने बोला था।

विद्या

और ये भारत की दो टूक

आखिर भारत सरकार ने वही किया जो उससे अपेक्षित था। सरकार ने भारत के आंतरिक मामलों में दूसरे देशों द्वारा की जा रही टिप्पणियों को सरकार न केवल खारिज किया है, बल्कि तीखा जवाब देने की चेतावनी भी पिछले दिनों दी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अवांछित टिप्पणी करने



वाले देशों को सलाह दी है कि अन्य देशों को भारत के मामलों में राजनीतिक टीका-टिप्पणी करने से बचना चाहिए। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले अमेरिका और जर्मनी ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफतारी पर बयान जारी किया था। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने इन देशों के दूतावासों के उच्च अधिकारियों को तलब कर कड़ी आपत्ति जतायी थी। इसके बावजूद अमेरिका ने फिर से अपने बयान को दोहराते हुए उसमें आयकर विभाग द्वारा कांग्रेस के बैंक खातों पर रोक के मुद्रे को भी जोड़ दिया था। आप और कांग्रेस से जुड़े मामलों से भारत का हर नागरिक अवगत है ही। विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि ऐसी बयानबाजी होती रही, तो उन देशों को बहुत कड़े जवाब के लिए तैयार रहना चाहिए। यह जगजाहिर तथ्य है कि अनेक देश वैश्विक स्तर पर अपने वर्चस्व और प्रभाव को बढ़ाने के लिए दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का प्रयास करते हैं। अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश ऐसा करने में सबसे आगे रहते हैं। ये देश अपने को विशिष्ट समझते हैं और उन्हें लगता है कि वे दुनिया के दारोगा हैं। लोकतंत्र, मानवाधिकार, धार्मिक एवं नागरिक अधिकार, नैतिकता आदि की आड़ में ये देश दबाव बनाने का प्रयास करते हैं। जयशंकर ने उचित ही रेखांकित किया है कि ये उनकी पुरानी आदतें हैं और खराब आदतें हैं। वैसे भी अतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एक-दूसरे देश की संप्रभुता के सम्मान का सिद्धांत आधारभूत सिद्धांत है। स्थापित आचरणों, परंपराओं और व्यवहारों का अनुपालन अगर कोई देश नहीं करता है, तो फिर उसे भी तैयार रहना चाहिए कि दूसरे देश उसकी राजनीति और कानून-व्यवस्था पर अपने विचार रखेंगे। हाल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश की विकास परियोजनाओं तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा को लेकर आपत्ति की थी। उसने प्रदेश के अनेक स्थानों का नामकरण भी किया है। जयशंकर ने फिर रेखांकित किया है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। इससे पहले चीन कश्मीर और लद्दाख पर भी निराधार बयान दे चुका है। भारत में संवैधानिक और कानूनी व्यवस्था के अंतर्गत क्या हो रहा है और क्या होना चाहिए? क्या सही है और क्या गलत, इस बारे में विचार करने, समर्थन करने, आलोचना करने या विरोध जताने का अधिकार भारत के लोगों को ही है। अमेरिका हो, जर्मनी हो या चीन हो, उन्हें अपने देशों की चिंता करनी चाहिए। आपत्तिजनक टिप्पणियों से परस्पर विश्वास को चोट पहुंच सकती है और संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

(भोपाल)

सकत ह।
(भोपाल)

हिन्दू नव वर्ष उत्सव के पीछे का विज्ञान

पंचांग (कैलेंडर) का निर्माण और परिशोधन किया। हिंदू नववर्ष चंद्र-सौर कैलेंडर पर आधारित है, जिसका सीधा संबंध मानव शरीर की संरचना से है। भारतीय कैलेंडर न केवल सांस्कृतिक रूप से, बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह आपको ग्रहों की चाल से जोड़ता है। वसंत ऋतु की शुरूआत प्रतिपदा से होती है, जो आनंद, उत्साह और उल्लास से भरी होती है, साथ ही चारों ओर फूलों की खुशबू होती है। यह वह समय भी होता है जब फसल पकने लगती है, जिससे किसान अपनी मेहनत का फल प्राप्त कर सकता है। नक्षत्र अनुकूल स्थिति में होते हैं। यानी किसी भी काम को शुरू करने के लिए अनुकूल समय होता है। पृथ्वी के द्युकाव के कारण हिंदू नववर्ष से शुरू होने वाली 21 दिवसीय अवधि के दौरान उत्तरी गोलार्ध को सूर्य की अधिकांश ऊर्जा प्राप्त होती है। हालांकि उच्च तापमान मनुष्यों के लिए असुविधाजनक हो सकता है, लेकिन यही वह समय होता है जब पृथ्वी की बैटरी चार्ज होती है बारह हिन्दू मास (मासा, चंद्र मास) लगभग 354 दिनों के बाराबर

होते हैं, जबकि एक नक्शीरीय (सौर) वर्ष की लंबाई लगभग 365 दिन होती है। इससे लगभग ग्यारह दिनों का अंतर पैदा होता है, जो हर ($29.53/10.63$) = 2.71 वर्ष या लगभग हर 32.5 महीने में समाप्त हो जाता है। पूरुषोंतम मास या अधिक मास एक अतिरिक्त महीना है जिसे चंद्र और सौर कैलेंडर को संरखित रखने के लिए जोड़ा जाता है। बारह महीनों को छह चंद्र ऋतुओं में विभाजित किया गया है, जो कृषि चक्र, प्राकृतिक फूलों के खिलने, पत्तियों के गिरने और मौसम के साथ समयबद्ध हैं। चंद्र और सौर कैलेंडर के बीच बेमेल को ध्यान में रखते हुए, हिन्दू विद्वानों ने अंतर-महीने को अपनाया, जहां एक विशेष महीना बस दोहराया जाता है। इस महीने का चयन यादचिक नहीं था, बल्कि दो कैलेंडर को कृषि और प्रकृति के चक्र में व्यापस लाने के लिए समयबद्ध था। इस दिन दुनिया भर में क्या हो रहा है और मानव शरीर विज्ञान और मानस में क्या चल रहा है, इस संदर्भ में उगादि को जनवरी की पहली तारीख के बजाय नया साल माना

गुड़ी पड़वा, जिसे संवत्सर पड़वो
(गोवा में हिंदू कोंकणी लोगों के
बीच) के नाम से भी जाना जाता है।
चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन
महाराष्ट्रीयन लोगों द्वारा मनाया जाता
है। यह चैत्र नवरात्रि का पहला दिन
है, जिसे घटस्थापना या कलश
स्थापना के नाम से भी जाना जाता है।
'पड़वा' नाम संस्कृत शब्द 'प्रतिपदा'
से आया है, जो चंद्र महीने के पहले
दिन को संदर्भित करता है। इस दिन
एक सुशोभित उगड़ी को फहराया जाता
है और उसको पूजा की जाती है, जिससे इस आयोजन का नाम पड़ा है।
यह आयोजन रबी मौसम के अंत में
होता है। यह हिंदू चंद्र कैलेंडर के
साढ़े तीन पवित्र दिनों में से एक है।
अच्युत संवर्धित मुहूर्त दिनों में अक्षय
तृतीया, विजयादशमी (या दशहरा)
और बलिप्रतिपदा शामिल हैं।

जाना कुछ हद तक प्रासंगिक है। उगादि चंद्र-सौर कैलेंडर का पालन करता है, जो मानव शरीर की संत्मना से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। यह जानना दिलचस्प होगा कि भारतीय ज्योतिष के विद्वानों ने वैदिक युग में ही भविष्यवाणी कर दी थी कि सूर्य ग्रहण एक निश्चित दिन और एक निश्चित समय पर होगा। यह समय गणना युगों बाद भी पूरी तरह सटीक साबित हो रही है। नववर्ष का स्वागत रात्रि के अंधेरे में नर्ही किया जाता। नववर्ष का स्वागत सूर्य की पहली किरण का स्वागत करके किया जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर में नववर्ष की शुरूआत मध्य रात्रि 12 बजे मारी जाती है, जो वैज्ञानिक

—गाही पाहा—

二四

अनुसार, उगादी, युगादी या सवत्सरदी चूत्र के महीने में चंद्रमा के बढ़ते चरण के पहले दिन मनाया जाता है। उगादी या युगादी शब्द संस्कृत के मूल शब्दों यु या 'आयु' और आदि से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'शुरूआत' जब संयुक्त होते हैं, तो ये शब्द 'एक नए युग की शुरूआत' का संकेत देते हैं। युगादी नाम विशेष रूप से वर्तमान अवधि या युग की शुरूआत से संबंधित है, जिसे कलियुग के रूप में जाना जाता है। उगादी आने वाले वर्ष में जीवन को स्वीकार करने और उसकी सराहना करने का प्रतिनिधित्व करता है, जो खुशी, दुख, क्रोध, भय, घृणा और आश्वर्य सहित अच्छे और बुरे अनुभवों का एक विविध संयोजन होगा। नीम का उपयोग दुख को दूर करने के लिए किया जाता है क्योंकि इसका स्वाद कड़वा होता है। गुड़ और पके केले स्वादिष्ट संतोष का प्रतिनिधित्व करते हैं। हरी मिर्च और काली मिर्च तीखी होती है, जो क्रोध का संकेत देती है। नमक भय का प्रतीक है, जबकि खट्टा इमर्ला का रस घृणा का प्रतिनिधित्व करता है। कच्चे आम का उपयोग अकसर इसके खेड़पण के लिए किया जाता है, जो आश्वर्य की भावना जोड़ता है। पूर्व की हर चीज की तरह यह कैलेंडर भी इस बात पर आधारित है कि यह मानव शरीर क्रिया और अनुभूति को कैसे प्रभावित करता है। उगादी के पीछे एक विज्ञान है जो कई अलग-अलग तरीकों से मानव कल्याण को बढ़ाता है।

त को मिलाकर ही एक दिन पूरा होता सूर्योदय से होती है और अगले सूर्योदय सूर्योस्त को दिन और रात के बीच कहा जाता है। प्रकृति का नववर्ष मार्च में होता है। पृथ्वी एक चक्र पूरा करते हैं। प्रकृति नमापत नहीं होता। नववर्ष तब शुरू होता है धरी पर धूमती है और दूसरे चक्र वे करती है। नया साल प्रकृति में जीवन प्रतीक है।
(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

1 | Page

के स्वाभिमान के लिए जनता पार्टी से अलग होकर श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी, लाल कृष्ण आडवाणी जी सहित जनसंघ के अन्य नेताओं ने 6 अप्रैल, 1980 को पंच निष्ठाओं के आधार पर भारतीय जनता पार्टी के नाम से नए गणनीतिक दल की स्थापना की।

सक्रियता से ऐसे अनेक विषयों का समाधान हुआ है, जिनकी कल्पना करना भी असंभव था। दो सीटों पर

त्रिपुरा, मणिपुर सहित अन्य राज्यों में भी भाजपा की सरकारें बनीं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत की हर छोटी

से लेकर प्रधानमंत्री ने नेत्र मोदी तक भाजपा ने देश की दलगत राजनीति में ऐसे प्रेरणा के पुँज दिए हैं, जिनकी आभा से राजनीतिक जगत जगमगा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के रूप में हमारे नेतृत्व की संकल्प शक्ति की वजह से ही लगभग पांच सौ वर्षों की पीरीश्च के इच्छाशक्ति से जो सपना हमारे संस्थापकों ने भारत को विश्व गुरु बनाने का देखा था आज उस ओर हमारे कर्तव्यपरायनता के साथ अग्रसर हैं। हमारी ध्येय यात्रा में केंद्र में प्रधानमंत्री ने नेत्र मोदी के नेतृत्व वाली पूर्ण बहुमत की सरकार आते ही तीन तलाक

समाधान हुआ है, जिनकी कल्पना करना भी असंभव था। दो सीटों पर भी भाजपा की सरकारे बर्नी। कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत की हर छोटी



विष्णुदत्त शर्मा

21 अक्टूबर 1951 को दिल्ली में जनसंघ की स्थापना हुई थी, जिसके संस्थापक के रूप में डॉ. शयमा प्रसाद मुखर्जी, प्रोफेसर बलराज मधोक जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी प्रमुख थे और जनसंघ का चुनाव चिन्ह दीपक तथा झंडा भगवा रंग का रखा गया। देश में सामान नागरिक सहिता, गौहत्या पर प्रतिबंध एवं जम्मू कश्मीर से धारा 370 को समाप्त करना जनसंघ की राजनीति के प्रमुख विषय थे।

21 अक्टूबर 1951 का दिल्ली में जनसंघ का स्थापना हुआ थी, जिसके संस्थापक के रूप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुख्यजी, प्रोफेसर बलराज मधोक जी, पडित दीनदयाल उपाध्याय जे प्रमुख थे और जनसंघ का चुनाव चिन्ह दीपक तथा झंडा भगवा रंग का रखा गया। देश में सामान नागरिक सहिता, गौहत्या पर प्रतिबंध एवं जम्मू कश्मीर से धारा 370 को समाप्त करना जनसंघ की राजनीति के प्रमुख विषय थे।

से लकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भाजपा ने देश की दलगत राजनीति में ऐसे प्रेरणा के उँग दिए हैं, जिनकी आधा से राजनीतिक जगत जगमगा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के रूप में हमारे नेतृत्व की संकल्प शक्ति की वजह से ही लगभग पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के पश्चात आज अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर के निर्माण का सपना वास्तविकता बना है। हमारे संस्थापकों ने एवं भाजपा के असंख्य कार्यकर्ताओं ने श्रीरामलला को अपने मंदिर में विराजमान देखने हेतु अपनी चुनी हुयी सरकारें भी न्योछावर कर दीं, यह अपने विचारधारा पर अडिंग रहने का एक उदाहरण मात्र है। हमारे पितुरुषों का संकल्प एवं एक देश में रुद्ध विधान दो प्रधान दो निशान नहीं चलेंगे की पूर्ति स्वरूप प्रधानमंत्री मोदी की सरकार द्वारा लिया गया अनुच्छेद 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय हमारी ध्येय पूर्ति की यात्रा का और एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार एवं हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं देश के वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह जी के कार्यकाल में भाजपा ने श्रद्धेय अटलजी की सरकार तथा तत्कालीन संगठन की नीतियों को दिशा देने के प्रयास के साथ ही अपनी विचारधारा अनुरूप 'राष्ट्र सर्वोपरि' मानकर अनेकों ऐतिहासिक निर्णय किये हैं, जो हमारी विचारों की स्पष्टता को प्रतिलक्षित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वट इच्छाशक्ति से जो सपना हमारे संस्थापकों ने भारत को विश्व गुरु बनाने का देखा था आज उस ओर हम कर्तव्यपारयता के साथ अग्रसर हैं। हमारी ध्येय यात्रा में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली पूर्ण बहुमत की सरकार आते ही तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन कानून, आपाराधिक न्यायिक कानूनों में बदलाव के साथ ही पंडित दीनदयालजी जी के अन्योदय पर आधारित गरीब-कल्याण की योजनाओं के द्वारा करोड़ों गरीब लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम भी हुआ है। वास्तव में, केंद्र और राज्यों की हमारी सरकारें सुशासन के प्रति समर्पित रहती हैं क्योंकि यही लोकतंत्र की आवश्यकता है। भाजपा समाज के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति के विकास की बात ही नहीं करती, बल्कि उसे चरितार्थ भी करती है। भाजपा द्वारा जनकल्याण के इस कार्य हेतु अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली हमारी केंद्रीय की सरकार ने अन्योदय के सिद्धांत अनुरूप ही 50 करोड़ से अधिक लोगों के जनधन खाते खुलवाए। आयुष्मान, उज्ज्वला और आवास योजनाएं संचालित की गईं। देश खुले में शौच से मुक्त हो गया, घर घर बिजली पहुंचाई। 10 करोड़ से अधिक के गैस कनेक्शन दिए। हर घर शुद्ध पेयजल पहुंचाया।

(ध लखक क निजा प्रधार ह।)

देश-विदेश

यूएन में इस्लामोफोबिया पर आये प्रस्ताव की वास्तविकता

अभी कुछ ही दिन पहले यूनॅ में 'इस्लामोफोबिया' प्रस्ताव लाया गया है। जिसमें पूरी दुनिया से यह कहा गया कि 'इस्लाम से नफरत' करने वालों पर अपने देशों में सख्त कदम उठाएं। कहा जा रहा था कि इस्लाम का आतंकवाद से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं। इस्लाम तो शार्ट का मजहब है, वह तो आपसी प्रेम और भाईचारे में विश्वास रखता है और अब इनका ये प्रम देखिए कि जिसे ये रमजान का पाक महीना कहते हैं, उसी पवित्र महीने में दुनिया के तमाम देशों में इस्लामिक आतंकवादी घटनाएं घटी हैं। रूस की राजधानी मॉस्को स्थित कान्स्टंट छाँत में आतंकी हमले को अंजाम देना हो या मध्यप्रदेश के इंदौर में दो हिन्दू युवाओं को इस लिए घेर कर मार देने के लिए आतुर हो जाना हो, जिसमें कि वे अपने ई-रिक्षा में भगवान श्रीराम जी का भजन सुन रहे थे। ताजा घटनाक्रम महाराष्ट्र में नासिक का है, जहां के जय भवानी इलाके में हजारों मुस्लिमों की भीड़ ने "सर तन से जुदा" के नारे लगाए और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया। मुस्लिमों ने स्टीलिंग बसों और हिंदुओं के निजी वाहनों पर भी हमले किये। भीड़ ने सकेत सौदागर नाम के एक लड़के पर इस्लाम के पैगंबर मुहम्मद की बेटी फातिमा पर अपमानजनक टिप्पणी का आरोप लगाया। जबकि पूरी हकीकत यह है कि नासिक में हिंदू समुदाय आगामी रामनवमी उत्सव (17 अप्रैल) की तैयारी कर रहा है। वह ऐसा ऐसा उत्सव है जिसका नाम देखने के लिए

किंकमाबस समा दला का घदा मिला
(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

तैयारियों के बारे में इंस्ट्राग्राम पर पोस्ट करना शुरू किया तो उसे स्थानीय मुस्लिम समुदाय के कई लोग बर्दाशत नहीं कर सके। इन मुस्लिमों ने हिंदुओं द्वारा पोस्ट की गई तैयारियों वाले पोस्ट पर भगवान राम के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी शुरू कर दी। इनमें ‘खाजा’ नाम का एक लड़का भी शामिल था। उन्होंने अन्य मुस्लिमों के साथ मिलकर आगामी हिंदू त्योहार रामनवमी की तैयारियों का अपमान किया करना शुरू कर दिया। जिसके बाद इस हिन्दू लड़के ने भी कुछ इस्लाम की हकीकत बयान कर दी और मामले ने तूल पकड़ लिया। अब रमजान के महीने में जिसे यह पाक महीना कहते हैं, शहर के मुस्लिम इकट्ठा होकर इस हिंदू व्यक्ति के लिए मौत की सजा की मांग कर रहे हैं। इस तीनों ही मजहबी आतंक से जुड़े अनेक वीडियो सोशल मीडिया पर आ गए हैं। रशिया दुड़े मीडिया ग्रुप की प्रधान संपादक मार्गरीटा सिमेनियन ने रूस घटनाक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करते हुए संदिधों के कबूलानामे और बेहतर तरीके से स्पष्ट कर देती है। इनमें से एक ‘शामुद्दीन फरीद्दीन’ है, उसने कैमरे के सामने बताया कि पैसों के बदले बेगुनाह लोगों की जान लेने के अपने भयावह मिशन के बारे में चौकाने वाले विवरण का खुलासा करता है। जैसे-जैसे पूछताछ आगे बढ़ती है, वह स्वीकारता है “एक इस्लामी मौलवी ने बोला कि जाओ और लोगों को मार डालो, चाहे वे किसी भी प्रकार के हों।” उसे परिणामों की चिंता किए बिना हमले को अंजाम तक पहुंचने का निर्देश दिया गया था। इसके अलावा, इस आतंकवादी ने अपनी भर्ती प्रक्रिया के बारे में जरूरी जानकारी भी दी है, जोकि लोगों को कट्टूपंथी (इस्लाम के लिए जीने और मरनेवाल) बनाने और हिंसक उद्देश्यों के लिए संगठित करने के लिए अपनाई गई खतरनाक रणनीति पर प्रकाश डालती है। यह टैक्टिस ठीक वैसी ही है, जैसी कि 15 साल पहले 26 नवंबर, 2008 को समुद्री मार्ग से भारत में घुसे 10 पाकिस्तानी आतंकियों ने मुंबई पर हमला किया था। 26/11 के हमलावर पाकिस्तान के कराची से अरब सागर होते हुए मुंबई आए थे। इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मी समेत 166 लोग मारे गए और 300 से अधिक लोग घायल हुए थे।

1

